an>

Title: Regarding appointment of 'Shiksha Mitras' in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत तात्कालीक, अविलंबनीय और लोक महत्व के विषय पर बोलने की अनुज्ञा दी है। उत्तर प्रदेश के 1,72,000 शिक्षा मित्र, जिनका प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के राइट टू एजुकेशन के बाद सहायक शिक्षकों के रूप में समायोजन हो चुका था और वे सहायक शिक्षक 20-25 वर्षों से प्रदेश के तमाम ऐसे प्राइम स्कूल्स हैं, जो उन्हीं शिक्षा मित्रों के द्वारा चल रहे थे। प्रदेश के गांव के सुदूर अंचलों में जो शिक्षा से वंचित रह सकते थे, उनको शिक्षा देने का काम कर रहे थे, लेकिन दो दिन पहले जो निर्णय आया है, आज फिर माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा सहायक शिक्षकों का समायोजन निरस्त कर दिया गया है, उससे ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो गयी हैं कि आज फिर वे शिक्षा मित्र की श्रेणी में आ गये हैं, 3500 रुपये पर, जो अध्यापक 20-25 सालों से पढ़ा रहे थें, पूरे प्रदेश में पठन-पाठन ठप हो गया है। वह निर्णय माननीय सुप्रीम कोर्ट का है, उस निर्णय को लेकर लोग आंदोलनरत हैं। पिछले तीन दिनों में सात अध्यापक सुसाइड कर चुके हैं। आज बस्ती, सिद्धार्थ नगर, संतकबीर, सीरी लक्ष्मीपुर, बदायूं, फिरोजाबाद, मिर्जापुर, कौशांबी में आज ऐसी परिस्थितियां हैं, माननीय मानव संसाधन मंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं उनको धन्यवाद दूंगा कि इस फैसले के दो दिन पहले आरटीई एक्ट में एक अमेंडमेंट किया कि जो लोग क्वालीफायड नहीं हैं, उनको 31 मार्च, 2019 तक मौका दिया गया है। शायद, वह अमेंडमेंट नहीं होता तो ये अध्यापक सड़क पर आ जाते और वे नौकरी से वंचित हो जाते। मैं इसलिए आपके प्रति आभार व्यक्त करूंगा, लेकिन सेक्शन 23(ए) में जो उनका अमेंडमेंट हुआ है, आज कोई ऐसा रास्ता निकाला जाये कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलेख में उनके हितों की रक्षा हो सके। अगर शिक्षा मित्र के तौर पर निश्चित तौर पर वे परीक्षा पास करेंगे, लेकिन उनका वेतन 40,000 रुपये से 3500 रुपया हो गया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात थोड़े समय में रखें।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : पूरे प्रदेश में 1,72,000 शिक्षा मित्र आंदोलनरत हैं। जितने उत्तर प्रदेश के माननीय सदस्य हैं, सबकी चिंता है, कोई ऐसा विषय नहीं है। एक तरफ स्कूल चलो अभियान है, हर जिलों में बेटियां पढ़े बेटियां बढ़े अभियान चल रहा है, ...(व्यवधान) लेकिन स्कूल्स बंद होने के कारण से दिक्कत हो रही है।

अध्यक्ष महोदया, इस विषय का संज्ञान लेकर इस पर निश्चित तौर से सरकार हस्तक्षेप करे और उन शिक्षा मित्रों की हितों की रक्षा करे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी सहयोगी बन जायें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री बी.विनोद कुमार,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

डॉ. यशवंत सिंह,

श्री श्यामा चरण गुप्त,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री अजय मिश्रा टेनी और

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।